Hindi Sample Paper - 13

SECTION-IA : **हिन्दी**

1. **'प्रसाद, पन्त और मैथिलीशरण' नामक निबन्ध-संग्रह किसका है–**
   (a) रामवृक्ष बेनीपुरी
   (b) अज्ञेय
   (c) दिनकर
   (d) मुक्तिबोध
2. **द्विवेदी युग के सर्वश्रेष्ठ प्रगीतकार माने जाते हैं–**
   (a) रूपनारायण पाण्डेय
   (b) लोचन प्रसाद पाण्डेय
   (c) मुकुटधर पाण्डेय
   (d) इनमें से कोई नहीं
3. **'प्रजाहितैषी' नामक पत्र के सम्पादक थे–**
   (a) राजा शिव प्रसाद सितारे हिन्द
   (b) राजा लक्ष्मण सिंह
   (c) मुंशी सदासुखलाल
   (d) लल्लू लाल
4. **'सो सुख सुजस सुलभ मोहि स्वामी' में कौन-सा अलंकार है–**
   (a) उत्प्रेक्षा (b) रूपक
   (c) अनुप्रास (d) व्यतिरेक
5. **इस प्रश्न में एक वाक्य दिया गया है जिसमें त्रुटि है। इसके नीचे चार विकल्प दिये गये हैं, जिसमें एक सही है। सही विकल्प चुनिये।**
   हम बचपन में वहाँ जाता रहा-
   (a) हम बचपन में वहाँ जायेंगे।
   (b) हम बचपन में वहाँ जाते रहे हैं।
   (c) मैं बचपन में वहाँ जाता रहा।
   (d) मैं बचपन में वहाँ जाऊँगा।
6. **'अथवा' व्याकरण की दृष्टि से है–**
   (a) संधि (b) उपसर्ग
   (c) अन्वय (d) अव्यय
9. **कारक के भेद हैं–**
   (a) पाँच (b) छः
   (c) सात (d) आठ
10. **निम्नलिखित में से किस वाक्य में अकर्मक क्रिया है?**
   (a) पानी बरस रहा है।
   (b) मैं गेहूं पिसवाता हूँ।
   (c) श्याम निबंध लिखता है।
   (d) राम मोहन को रुला रहा है।
11. **निम्नलिखित में कौन-सा शब्द स्त्रीलिंग नहीं है–**
   (a) झुरमुट (b) अन्त्येष्टि
   (c) इच्छा (d) निराला
12. **इनमें से बादल का पर्यायवाची शब्द नहीं है–**
   (a) जलद (b) जलधि
   (c) मेघ (d) वारिद
13. **विप्रलम्भ शृंगार में वियोग की कितनी दशाएँ मानी गयी हैं?**
   (a) 10 (b) 12
   (c) 14 (d) 16
14. **'सिंह द्वार' शब्द में समास है–**
   (a) तत्पुरुष
   (b) अव्ययीभाव
   (c) कर्मधारय
   (d) इनमें से कोई नहीं
15. **'अनन्त' की सही संधि होगी–**
   (a) अन् + अंत (b) अन + अंत
   (c) अनन् + त (d) अनन + त्
16. **''श्रोता'' के लिये किस सर्वनाम का प्रयोग किया जाता है?**
   (a) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम
   (b) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम
   (c) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम
   (d) उपयुक्त सभी गलत हैं
17. **वर्तनी की दृष्टि से निम्नलिखित में शुद्ध शब्द है–**
   (a) उपर्युक्त (b) अपरर्युक्त
   (c) उपरियुक्त (d) उपरोक्त
18. **हिन्दी में प्रयुक्त शब्द 'बाल्टी' शब्द भंडार की दृष्टि से किस तरह का शब्द है?**
   (a) तत्सम (b) तद्भव
   (c) देशज (d) विदेशज
19. **'सम्' उपसर्ग से निष्पन्न शब्द कौन-सा है?**
   (a) संस्कार (b) सामना
   (c) समझौता (d) स्वयं
20. **'मुझसे उठा नहीं गया' वाक्य में वाच्य है–**
   (a) कर्तृवाच्य
   (b) कर्मवाच्य
   (c) भाववाच्य
   (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
21. **'सद्यःस्नाता' शब्द निम्नलिखित में से किस वाक्यांश पर लागू होता है?**
   (a) जो सदा स्नान करती हो
   (b) जो सदा नत बनी रहती हो
   (c) जिसने अभी-अभी स्नान किया हो
   (d) इनमें से कोई नहीं
22. **'गीला' है–**
   (a) सार्वनामिक विशेषण
   (b) गुणवाचक विशेषण
   (c) संख्यावाचक विशेषण
   (d) इनमें से कोई नहीं
23. **परुष का विलोम शब्द है–**
   (a) बल
   (b) शक्ति
   (c) कोमल
   (d) इनमें से कोई नहीं

24. **हिन्दी वर्णमाला में वर्ण हैं–**
(a) 50 (b) 52
(c) 54 (d) 56

25. **'शक्ति' को 'सकती' कहना किस प्रकार के उच्चारण दोष का उदाहरण है?**
(a) स्वरलोप (b) स्वर भक्ति
(c) स्वरागम (d) स्वरभंग

26. **निम्न में महाप्राण व्यंजन है–**
(a) प (b) ज
(c) घ (d) व

27. **'पढ़ रहा था' इसमें कौन-सी क्रिया है?**
(a) संयुक्त क्रिया
(b) सामान्य क्रिया
(c) पूर्वकालिक क्रिया
(d) असामान्य क्रिया

28. **'त्र' ध्वनि किसके अन्तर्गत आती है?**
(a) संयुक्त वर्ण (b) तालव्य
(c) घोष वर्ण (d) मूल स्वर

29. **निम्नलिखित वाक्य के लिए उसके नीचे दिए गए विकल्पों में से वाक्य के प्रकार को चिन्हित कीजिए– ''मैं खाना नहीं खाऊँगा, वरन् थोड़ा-सा दूध पिऊँगा।''**
(a) संयुक्त वाक्य
(b) सरल वाक्य
(c) मिश्रित वाक्य
(d) इनमें से कोई नहीं

30. **गुच्छा, पुँज, ढेर, शृंखला शब्दों में कौन-सी संज्ञा है?**
(a) भाववाचक (b) गुणवाचक
(c) समूहवाचक (d) व्यक्तिवाचक

31. **''कफन बढ़ाना'' मुहावरे का सही अर्थ है–**
(a) मृत्यु को स्वीकार करना
(b) बीमार होना
(c) मार देना
(d) दु:खी होना

32. **''व्यंग्य से हँसना'' निम्न में से किस मुहावरे का अर्थ है?**
(a) अठखेलियाँ करना
(b) अट्टहास करना
(c) अड्डा जमाना
(d) अड़ंगा लगाना

33. **''जस दूल्हा तस बनी बराता'' लोकोक्ति का सही अर्थ है–**
(a) अच्छा दूल्हा और अच्छे साथी
(b) अच्छा दूल्हा और खराब बाराती
(c) सभी लोगों का अच्छा होना
(d) जैसा व्यक्ति वैसे साथी

34. **''दर्जी की सुई कभी ताश में कभी टाट में'' लोकोक्ति का सही अर्थ है–**
(a) कोई दोष न होना
(b) खाली न होना
(c) कबाड़ी का काम करना
(d) बेकार होना

35. **अयोगवाह कहा जाता है-**
(a) विसर्ग को
(b) महाप्राण को
(c) संयुक्त व्यंजन को
(d) अल्पप्राण को

निर्देश–(प्रश्न 36-40 तक) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

बौद्ध शिक्षण पद्धति का आरम्भ स्वयं बुद्ध ने सरल तथा जनमानस की भाषा में जीवन के तत्वों के उपदेश तथा जगह-जगह चर्चा करके किया। लोगों को शिक्षित करने के लिए महात्मा बुद्ध ने व्याख्यान, प्रश्नोत्तर प्रासंगिक उपमा, दृष्टान्त एवं कथा को माध्यम बनाया। बुद्ध के बाद से बौद्ध शिक्षा पद्धति भी एक निश्चित स्वरूप, संगठन के साथ हिन्दू शिक्षा पद्धति से अलग स्वतन्त्र शिक्षा पद्धति के रूप में विकसित हुई। प्रारम्भ में हिन्दू तथा बौद्ध शिक्षा पद्धति के मूल में कोई विशेष अन्तर नहीं था, किन्तु बाद में आकर दोनों शिक्षा प्रणालियों के आदर्श एवं पद्धति में विशेष रूप से उस पाठ्यक्रम में जो विशेष रूप से आम उपासक की बजाय बौद्ध भिक्षु-भिक्षुणियों के लिए था, बहुत कम समानता रह गई थी।

बौद्ध धर्म में शिक्षा प्रारम्भ संस्कार ब्राह्मणों के उपनयन संस्कार की भाँति होता था। बौद्ध संघ में सम्मिलित होने के लिए दो संस्कार आवश्यक थे प्रथम था 'पब्बज्जा' तथा दूसरा 'उपसम्पदा'। पब्बज्जा से उपासकत्व का प्रारम्भ होता था। उपनयन की भाँति इसे भी आध्यात्मिक जन्म कहा गया है। यह 8 वर्ष से अधिक आयु के किसी भी व्यक्ति को दी जा सकती थी। संरक्षक की अनुज्ञा इसके लिए आवश्यक थी। व्यक्ति को तीन प्रकार की शरण की शपथ एवं दस धर्मादेश दिए जाते थे। ये शपथ बुद्ध धर्म एवं संघ की होती थी। दस धर्मादेशों में निम्न मनाही थी–

1. पारिवारिक जीवन।
2. ऐसी वस्तु ग्रहण करना जो दी न हो।
3. शुद्ध आचरण।
4. झूठ बोलना।
5. मादक द्रव्यों का सेवन।
6. असमय भोजन।
7. नृत्य-गायन।
8. पुष्प माला, इत्र, गहने आदि का प्रयोग।
9. उच्च आसन का प्रयोग।
10. सोना एवं चाँदी की प्राप्ति।

36. **बौद्ध शिक्षा पद्धति में शिक्षा देने हेतु निम्नलिखित में से किसे माध्यम बनाया जाता था?**
(a) प्रश्नोत्तर (b) व्याख्यान
(c) कथा (d) ये सभी

37. **प्रस्तुत गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक निम्नलिखित में से क्या हो सकता है?**
(a) बौद्धिक शिक्षा पद्धति
(b) बौद्धकालीन शिक्षा के विषय
(c) बौद्धकालीन प्रगति
(d) बौद्ध शिक्षा पद्धति

38. **बौद्ध शिक्षा पद्धति में किसे आध्यात्मिक जन्म माना जाता था?**
(a) पब्बज्जा
(b) उपसम्पदा
(c) ब्रह्मचर्य
(d) इनमें से कोई नहीं

39. **बौद्ध शिक्षा पद्धति के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है?**
(a) आठ वर्ष की आयु के पश्चात् ही विद्यारम्भ का संस्कार सम्पन्न किया जाता था
(b) व्यक्ति को तीन प्रकार की शरण की शपथ दिलवाई जाती थी
(c) दस धर्मादेशों की मनाही थी
(d) बौद्ध संघ में सम्मिलित होने के लिए दो संस्कार अनिवार्य थे

40. **संरक्षक की अनुमति किसके लिए आवश्यक थी?**
(a) शिक्षा के आरम्भिक संस्कार हेतु
(b) व्यक्ति को वेद की शिक्षा देने के लिए

(c) उपरोक्त दोनों
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

41. **निम्नलिखित वाक्य में रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए नीचे दिये गये विकल्पों में से एक उचित विकल्प चुनिये–**
वाक्य : युवा-असंतोष का कारण निरन्तर वृद्धि है
विकल्प–
(a) अशिष्टता (b) भ्रष्टाचार
(c) दुराचार (d) राजनीति

42. **वर्णिक छन्दों में किसका विचार होता है–**
(a) वर्ण का
(b) मात्रा और वर्ण का
(c) मात्रा का
(d) वर्ण की गुरुता का

43. **'चूलिका' किसका भेद है?**
(a) पाली (b) प्राकृत
(c) अपभ्रंश (d) पारसी

44. **'राधा गीत गाएगी' वाक्य में काल पहचानिए–**
(a) सामान्य भविष्य काल
(b) पूर्ण वर्तमान काल
(c) सामान्य वर्तमान काल
(d) सामान्य भूत काल

45. **आचार्य किशोरी दास बाजपेयी के मत से हिन्दी में कितने कारक हैं?**
(a) 6 (b) 7
(c) 8 (d) 5

निर्देश (46-50): निम्नलिखित गद्यांश का ध्यानपूर्वक अध्ययन करके इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

वैज्ञानिक प्रयोग की सफलता ने मनुष्य की बुद्धि का अपूर्व विकास कर दिया है। द्वितीय महायुद्ध में एटमबम की शक्ति के कुछ फ्रांस आदि सभी देशों को ऐसे शस्त्रास्त्रों के निर्माण की प्रेरणा दी कि सभी भयंकर और सर्वविनाशकारी शस्त्र बनाने लगे। अब सेना को पराजित करने तथा शत्रु देश का पैदल सेना द्वारा आक्रमण करने के लिए शस्त्र निर्माण के स्थान पर देश के विनाश करने की दिशा में शस्त्रास्त्र बनने लगे है। इन हथियारों का प्रयोग होने पर शत्रु देशों की अधिकांश जनता और सम्पत्ति थोड़े समय में ही नष्ट की जा सकेगी। चूँकि ऐसे शस्त्रास्त्र प्रायः सभी स्वतन्त्र देशों के संग्रहालयों में कुछ-न-कुछ आ गए हैं। अतः युद्ध की स्थिति में उनका प्रयोग भी अनिवार्य हो जाएगा जिससे बड़ी जनसंख्या प्रभावित हो सकती है। इसलिए निः शस्त्रीकरण की योजनाएँ बन रही हैं। शस्त्रास्त्रों से निर्माण की जो प्रक्रिया अपनाई गई, उसी के कारण आज इतने उन्नत शस्त्रास्त्र बन गए हैं, जिनके प्रयोग से व्यापक विनाश आसन्न दिखाई पड़ते हैं। अब भी परीक्षणों की रोकथाम तथा बने शस्त्रों का प्रयोग रोकने के मार्ग खोजे जा रहे हैं। इन प्रयासों के मूल में एक भयंकर आतंक और विश्व विनाश का भय कार्य कर रहा है।

46. **इस गद्यांश का मूल कथन क्या है?**
(a) आतंक और सर्वनाश का भय
(b) विश्व में शस्त्रास्त्रों की होड़
(c) द्वितीय विश्वयुद्ध की विभीषिका
(d) निःशस्त्रीकरण और विश्व शांति

47. **आधुनिक युद्ध भयंकर व विनाशकारी होते हैं क्योंकिः**
(a) दोनों देशों के शस्त्रास्त्र इन युद्धों में समाप्त हो जाते हैं
(b) अधिकांश जनता और उनकी सम्पति नष्ट हो जाती है
(c) दोनों देशों में महामारी और भुखमरी फैल जाती है
(d) दोनों देशों की सेनाएँ इन युद्धों में मारी जाती हैं

48. **बड़े-बड़े देश आधुनिक विनाशकारी शस्त्रास्त्र क्यों बना रहे हैं?**
(a) अपनी-अपनी सेनाओं में कमी करने के उद्देश्य से
(b) अपने संसाधनों का प्रयोग करने के उद्देश्य से
(c) अपना-अपना सामरिक व्यापार बढ़ाने के उद्देश्य से
(d) पारस्परिक भय के कारण

49. **एटम बम की अपार शक्ति का प्रथम अनुभव कैसे हुआ?**
(a) जापान में हुई भयंकर विनाशलीला से
(b) जापान में अजेय शक्ति की पराजय से
(c) अमेरिका, रूस, ब्रिटेन और फ्रांस की प्रतिस्पर्धा से
(d) अमेरिका की विजय से

50. **भयंकर विनाशकारी आधुनिक शस्त्रास्त्रों को बनाने की प्रेरणा किसने दी?**
(a) अमेरिका ने
(b) अमेरिका की विजय ने
(c) जापान पर गिराए गए 'अणु बम' ने
(d) बड़े देशों की पारस्परिक प्रतिस्पर्धा ने

SECTION-IA : हिन्दी

1. (c) 'प्रसाद, पन्त और मैथिलीशरण' नामक निबन्ध संग्रह रामधारी सिंह दिनकर का है। इनके अन्य प्रमुख निबन्ध संग्रह हैं- अर्द्धनारीश्वर, मिट्टी की ओर, रेती के फूल, हमारी सांस्कृतिक एकता, राष्ट्रभाषा और राष्ट्रीय साहित्य आदि।

2. (c) लोचन प्रसाद पाण्डेय के अनुज मुकुटधर पाण्डेय भी सुकवि थे। वे प्रकृति के उपासक थे। मुकुटधर पाण्डेय द्विवेदी युग के सर्वश्रेष्ठ प्रगीतकार थे। वस्तुत: इन्हें छायावाद का जनक भी माना जाता है। पूजा के फूल तथा कानन-कुसुम इनके प्रकाशित काव्य संकलन हैं।

3. (b) राजा लक्ष्मण सिंह ने 1860 में आगरा से 'प्रजाहितैषी नामक एक पत्र निकाला तथा कालिदास के रघुवंश, मेघदूत और अभिज्ञान शाकुन्तलम का अनुवाद भी किया। राजा लक्ष्मण सिंह ने सितारे हिन्द की फारसी शब्दावली युक्त हिन्दी लिखने की नीति का विरोध किया। इन्होंने शुद्ध हिन्दी लिखने का पक्ष लिया।

4. (c) इसमें अनुप्रास अलंकार है क्योंकि इसमें एक वर्ण अर्थात् 'स' की आवृत्ति कई बार हुई है। क्योंकि जहाँ पर वर्णो की आवृत्ति होती है वहाँ अनुप्रास अलंकार होता है।

5. (c) मैं बचपन में वहाँ जाता रहा।

6. (d) जिस शब्द के लिंग, वचन, पुरुष कारक इत्यादि के कारण कोई विकार उत्पन्न नहीं होता, उसे अव्यय कहते हैं। ये शब्द प्रत्येक स्थिति में अपने मूल रूप में बने रहते हैं। इसी कारण अव्यय को अविकारी शब्द कहा गया है। प्रश्नानुसार अथवा व्याकरण की दृष्टि से अव्यय सही उत्तर है।

7. (d) मात्रा की दृष्टि से दोहा के ठीक विपरीत सोरठा होता है। सोरठा (चार चरण-11, 13, 11, 13 मात्राएं) के पहले और तीसरे चरण में 11-11 मात्राएं होती हैं। जबकि दोहा (चार चरण-13, 11, 13, 11 मात्राएं) के विषय चरणों में 13 और समचरणों में 11 मात्राएं होती हैं। रोला के प्रत्येक चरण में 24 मात्राएं होती हैं। चौपाई के प्रत्येक चरण में 16 मात्राएं होती हैं तथा छप्पय जो कि मात्रिक विषम और संयुक्त छन्द है में 6 चरण, प्रथम 4 चरण रोला के तथा शेष दो चरण उल्लाला के होते हैं।

8. (a) भाषा परिवर्तनशील है। अपभ्रंश भाग के परवर्ती रूप को विद्वानों ने अवहट्ट कहा है। हेमचन्द्र ने अपने ग्रन्थ 'काव्यानुशासन' में शिष्ट (परिनिष्ठित) अपभ्रंश से भिन्न ग्राम्य अपभ्रंश की स्थिति स्वीकार की है। ग्राम्य अपभ्रंश शिष्ट अपभ्रंश की अपेक्षा जनभाषा के अधिक निकट है।

9. (d) संज्ञा या सर्वनाम का वाक्य के अन्य पदों (विशेषत: क्रिया) से जो सम्बन्ध होता है, उसे कारक कहते हैं। हिन्दी में कारकों की संख्या आठ मानी गयी है-कर्ता, कर्म, करण, सम्प्रदाय, अपादान, सम्बन्ध, अधिकरण तथा सम्बोधन।,

10. (a) जिस क्रिया के व्यापार का फल कर्त्ता पर पड़ता है तथा कर्म साथ में नहीं होता उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं। अत: 'पानी बरस रहा है' में अकर्मक क्रिया है।

11. (a)

12. (b) जलधि समुद्र का पर्यायवाची शब्द है जबकि अन्य-जलद, मेघ, वारिद बादल के पर्यायवाची शब्द हैं। बादल के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं- पयोद, अम्बुद, जलधर नीरद, पयोधर तथा वारिधर आदि।

13. (a) 14. (a)

15. (a) 'अनंत' की सही संधि होगी- अन् + अंत होगी। यह व्यंजन संधि का उदाहरण है।

16. (b)

17. (a) वर्तनी की दृष्टि से निम्नलिखित में शुद्ध शब्द 'उपर्युक्त' है। अन्य सभी शब्दों यथा-अपरर्युक्त, उपरियुक्त तथा उपरोक्त में सन्धि सम्बन्धी अशुद्धियां हैं।

18. (d)

19. (a) सम् का अर्थ होता है भली प्रकार, उत्कृष्ट, साथ या पूर्ण संस्कार, दोष दूर करना, सुधार, मन पर पड़ने वाला प्रभाव, धार्मिक रीति-रिवाज।

20. (c) 'मुझसे उठा नहीं गया' वाक्य में भाववाच्य है। भाववाच्य में अकर्मक क्रिया का प्रयोग होता है तथा क्रिया का स्वरूप कर्ता या कर्म के अनुसार न होकर भाव के अनुसार होता है। जबकि कर्तृवाच्य में 'क्रिया' कर्ता के लिंग, वचन के अनुसार एवं कर्म वाच्य में 'क्रिया' कर्म के लिंग, वचन के अनुसार होती है।

21. (c) जिसने अभी-अभी स्नान किया हो उसे 'सद्य:स्नाता' कहा जाता है।

22. (b) 'गीला' में गुणवाचक विशेषण है। जिस विशेषण में रूप, रंग, आकार, अवस्था, स्वभाव, दशा, स्वाद, स्पर्श, गंध, दिशा, स्थान, समय, भार, तापमान आदि का बोध होता है, वहां गुणवाचक विशेषण होता है।

23. (c) 24. (b)

25. (b) "शक्ति" को 'सकती' कहना स्वर-भक्ति उच्चारण दोष का उदाहरण है।

26. (c) महाप्राण ध्वनियों के उच्चारण में वायु की पर्याप्त मात्रा होती है इसके अन्तर्गत सभी वर्गों के द्वितीय, चतुर्थ, विसर्ग तथा ऊष्म व्यंजन आते हैं।

27. (a) 'पढ़ रहा था' में संयुक्त क्रिया है। संयुक्त क्रिया दो क्रियाओं के योग से निर्मित होती है।

28. (a) 29. (a) 30. (c)

31. (a)

32. (b) दिए गए मुहावरे ''व्यंग्य से हँसना'' का सही अर्थ-अट्टहास करना होता है।

33. (d) विद्वानों एवं जनसामान्य के ऐसे कथन जिनमें जीवन के अनुभवों को संक्षिप्त एवं विलक्षण ढंग से व्यक्त किया जाता हो और वे समय की कसौटी पर खरे उतरते हों, कहावत, सुभाषित या लोकोक्ति कहलाते हैं। दी गई लोकोक्ति ''जस दूल्हा तस बनी बराता'' का सही अर्थ-जैसा व्यक्ति वैसे साथी है।

34. (b) दी गई लोकोक्ति ''दर्जी की सुई कभी ताश में, कभी टाट में'' का सही अर्थ-खाली न होना है।

35. (a) 36. (d) 37. (b)

38. (a) 39. (b) 40. (d)

41. (b)

42. (a) 'लय, विराम, तुक, मात्रा, वर्ण आदि के नियमों से बंधी पंक्तियां छन्द कहलाती हैं।' जिन छन्दों की पहचान के लिए, वर्णो के क्रम का विचार किया जाता है तथा उसी के आधार पर वर्णो की गणना की जाती है, वे 'वर्णिक छन्द' कहलाते हैं। जैसे-इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, हरिगीतिका, सवैया आदि। 'मुक्त छन्द' में वर्णो एवं मात्राओं में से किसी का भी ध्यान नहीं रखा जाता है तथा केवल 'लय' का विधान होता है तथा 'मात्रिक छन्दों' की पहचान मात्राओं के आधार पर की जाती है।

43. (b) व्याकरण, धर्म और साहित्य आदि के अनेक आधारों पर प्राकृतों का विभाजन किया गया है। वैयाकरणों ने प्राकृतों के अन्तर्गत महाराष्ट्री, शौरसेनी, मागधी, पैशाची **चूलिका** चंडाली, ढक्की, शाबरी और अपभ्रंश आदि अनेक विभाषाओं की गणना की है। भरत ने नाट्यशास्त्र में मागी, अवन्निजा, प्राच्या, शौरसेनी,

अर्द्धमागधी, बहलीका और दक्षिणात्या नाम की सात प्राकृतें गिनाई हैं।

44. (a) 'राधा गीत गाएगी' वाक्य में सामान्य भविष्य काल है। जब क्रिया के सामान्यतः भविष्य में होने का बोध होता हो, तो उसे सामान्य भविष्य काल कहते हैं।

45. (a)

46. (d) गद्यांश का मूल कथानक निःशस्त्रीकरण और विश्व शांति पर आधारित है।

47. (b) आधुनिक युद्ध भयंकर एवं विनाशकारी होते हैं क्योंकि युद्ध में अधिकांश जनता और उनकी सम्पत्ति नष्ट हो जाती है।

48. (d) एक-दूसरे के प्रति पारस्परिक भय के कारण बड़े-बड़े देश आधुनिक विनाशकारी शस्त्रास्त्र बनाने लगे।

49. (b) एटम बम की अपार शक्ति का अनुभव तब हुआ जब जापान पर अमेरिका द्वारा परमाणु बम बरसाए गए तथा तत्कालीन समय में जापान जैसी अजेय शक्ति को पराजित करने में सफलता मिली।

50. (b) भयंकर विनाशकारी आधुनिक शस्त्रास्त्रों को बनाने की प्रेरणा जापान पर अमेरिका की विजय के कारण अन्य देशों को मिली।